066

MAHD-01

June - Examination 2017

MA (Previous) Hindi Examination

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य

Paper - MAHD-01

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : इस प्रश्न–पत्र के तीन खण्ड हैं – 'अ', 'ब' और 'स'। प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(खण्ड – अ) **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है।

1) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) हिन्दी का प्रथम महाकाव्य किसे माना गया तथा इसके रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) 'कीर्तिलता' व 'कीर्तिपताका' के कवि का नाम लिखिए।

(iii) कबीर ने तीन काव्य रूपों का प्रयोग किया क्रमश: उनका नाम लिखिए।

(iv) मसतवी क्या है स्पष्ट कीजिए।

(v) ''अब लौ नसाती अब न नसैहौं'' पंक्ति किस महाकवि से सम्बद्ध है?

(vi) घनानन्द के काव्य की दो विशेषताऐं बताइए।

(vii) भूषण के प्रिय छंदों का वर्णन कीजिए।

(viii) ''नैन नचाई कह्यो मुसकाई लला फिरि अइयौ खेलन होरी'' पंक्ति का संबंध किस कवि से है?

(खण्ड – ब) **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है।

2) निम्नलिखित पद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

नव वृन्दावन नव नव तरुगन, नव नव विकसित फूल।
नवल वसंत नवल मलयानिल मालन नव अति धूल।।
विहरए नवल किसोर
कालिन्दि–पुलिन कुँज बन सोभन, नव प्रेम विभोर।
नवलरसाल मुकुल–मधुमातल, नव कोकिल कुल गावें।
नव युवती गन चित उमताबए, नव रस कानन धाब।।
नव जुवराज नवल नर नागरि, मीलिए नव नव भाँति।
नित नित ऐसन नव–नव खेलन, विद्यापति माति माति।।

3) निम्नलिखित पद्यांश की व्याख्या (सप्रसंग) कीजिए–

पीछे लागा जाई था, लोक वेद के साथि।
आगे थै सतगुरु मिल्या, दीपक दीया हाथि।।
दीपक दिया तेल भरि, बाति दई अघट्ट।
पूरा किया विसाहुणा, बहुरिन आवौं हट्ट।
कबीर गुरु गरवा मिल्या इलि गया आटे लूँण।
जाति–पाँति कुल सब मिटे, नीव धरोगे कौन।।

4) निम्न पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

आयो घोष बड़ो व्यापारी
लादि खेप गुन ज्ञान जोग की ब्रज में आप उतारी
फाटक देकर हाटक मागत, भोरै निपट सु धारी।
धुर ही तै खोटी खायौ है लयै फिरत सिर भारी।।
इनके कहै कौन डहकावै, ऐसी कौन अजानी?
अपनो दूध छाणि को पीवै खार कूप को पानी।
उधो जाहु सवार यहाँ तै, बेगि गहण जनि लावौ।
मुह माग्यौ पैहौ सूरज, प्रभु साहु ही आनि दिखाऔ।।

5) निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

माई सांवरे रंग रांचि (राति)।
साज सिंगार बांध पग घूंघर लोकलाज तज पांची।
गयां कुमत या साधां संगत
स्याम प्रीत जग सांची
गायां गायां हरिगुण णिस दिण काल
व्याल री बांची।
स्याम बिना जग खारा लागि जारी
बातां कांची।
मसिसिरी गिरिधर नट नागर
भगत रसीली जांची।।

6) तुलसीदास की भक्ति पर प्रकाश डालिए।

7) भूषण मूलत: शक्ति व ओज के कवि हैं। पठित कविता के आधार पर स्पष्ट कीजिए।

8) रीतिकाव्य परम्परा में बिहारी सर्व श्रेष्ठ कवि हैं। स्पष्ट कीजिए।

9) 'नागमति' का विरह वर्णन प्रकृति के बदलते संदर्भ के साथ मनुष्य के सहअस्तित्व को प्रकाशित करता है। स्पष्ट कीजिए।

(खण्ड – स) $2 \times 16 = 32$

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर अधिकतम् 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 16 अंकों का है।

10) पृथ्वीराज रासों की प्रमाणिकता व अप्रमाणिकता पर विचार कीजिए।

11) कबीर की भक्ति मानवीय चेतना के जागरण की भक्ति है जिसमें आत्म व समाज के जागरण की चिंता एक साथ दिखलाई पड़ती है। स्पष्ट कीजिए।

12) घनानंद की कविता प्रेम व सौन्दर्य की विलक्षण अनुभूति का प्रकटीकरण है। स्पष्ट कीजिए।

13) बिहारी के दोहे गागर में सागर भरने के सफल प्रयास हैं। स्पष्ट कीजिए।